Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In August 2018

हौसले को सलाम तानों को चुनौती समझ बिजली से खेल रहीं बेटियां, आइटीआइ के बाद जीजेयू में इलेक्ट्रिशियन पद पर अप्रेंटिसशिप

लोग ताने देते थे...लड़कियों वाले काम करो, अब वही करते हैं तारीफ

जागरण संवाददाता, हिसार : सभी क्षेत्रों में बेटियों का हुनर अब सिर चढ़कर बोल रहा है। कॉपी-किताबें और फैशन डिजाइनिंग ही नहीं, बल्कि बेटियां अब तकनीकी रूप से भी दक्ष हो रही हैं। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय (गुजविं) में आइटीआइ की ऐसी नौ छात्राएं अप्रेंटिसशिप कर रही हैं, जो बिना किसी की मदद के फॉल्ट ढूंढने से लेकर बिजली व्यवस्था को सुचारू करने तक के काम कर रही हैं। गुजविं में ऐसा पहली बार हो रहा है, जब लड़कियां इलेक्ट्रिशियन के रूप में सेवाएं दे रही हैं। इन्हें आइटीआइ करने के बाद अप्रेंटिसशिप के लिए विश्वविद्यालय में एक वर्ष के लिए रखा गया है।

आमतौर पर समझा जाता है कि इलेक्ट्रिशियन केवल पुरुष ही हो सकते हैं, महिला नहीं। शायद यही सोचकर अभिभावक अपनी बेटियों को इस तरह के फील्ड में पढ़ाई के लिए नहीं भेजते। लेकिन आइटीआइ में पढ़ाई करने वाली लड़कियों ने लोगों की इस सोच को दरकिनार ही नहीं किया, बल्कि उनकी सोच को बदल भी रही हैं। जब इन लड़कियों ने आइटीआइ में दाखिला लिया था तो लोगों ने ताने भी मारे कि लड़कियों वाले काम सीखो, इस तरह के काम करना तुम्हारे बस की बात नहीं। ताने सुनने के बाद भी बेटियों ने कदम पीछे नहीं खींचे और उन्हें चुनौती के रूप में स्वीकार किया। अब विवि में अप्रेंटिसशिप कर रहीं छात्राएं हाथों में टेस्टर, प्लास, पेचकस और बिजली के अन्य उपकरण लिए जब एक से दूसरी जगह जाती हैं तो विवि के छात्र व कर्मचारी इन्हें देखकर हैरान हो जाते हैं। जो इनको जानने लगे हैं वो उनके काम की तारीफ करते हैं और उन्हें सुपर इलेक्ट्रीशियन गर्ल्स के नाम से बुलाते हैं। छात्राओं के सपनों को पूरा करने में विवि के सीनियर इलेक्ट्रीशियन राकेश पान्नू भी उन्हें विशेष ट्रेनिंग दे रहे हैं।

गुजविं के गर्ल्स हॉस्टल में बिजली के उपकरण ठीक करतीं आइटीआइ की छात्राएं • जागरण

शादी के बाद पति ने कहा, पैशन पर दो ध्यान

छात्रा कुसुम की पढ़ाई के दौरान ही शादी हो गई थी। तब उसने सोचा था कि वह आगे नहीं पढ़ पाएगी। लेकिन बीकॉम की पढ़ाई कर रहे उनके पति ने उनके अरमानों को पंख लगा दिए। उन्होंने शादी के बाद भी अपने पैशन पर ध्यान देने को कहा। वहीं भिवानी के गांव बरसी की रहने वाली मनिता के पिता किसान हैं। उन्होंने ही मनिता को कुछ अलग करने के लिए इस क्षेत्र में आने की सलाह दी। अब आइटीआइ के बाद मनिता इसी क्षेत्र में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रही हैं। हिसार के गांव खरड़ की परमजीत इस काम को अपना पैशन मानती है। कहती हैं कि सरकारी नौकरी मिले या प्राइवेट या अपना ही काम करना पड़े, लेकिन काम इलेक्ट्रिशियन का ही करना है। परमजीत के पिता विनाई का काम करते हैं।

जज्बे की कहानी बेटियों की जुबानी

- छात्रा पूनम ने बताया कि वह शुरू से ही कुछ अलग करना चाहती थी। इसलिए इस फील्ड को चुना। शुरुआत में गांव के लोगों ने ताने दिए और उसके निर्णय को गलत बताया। लेकिन अब वही लोग उसकी प्रशंसा करते हैं।
- गांव बडाना की छात्रा मोनिका के पिता किसान हैं। मोनिका विवि से अपने घर जाने के बाद पिता के साथ खेत में काम करती है। यही नहीं गांव में किसी घर में इलेक्ट्रिशियन की जरुरत होती है तो वह उनकी मदद भी करती है।

खेती करना था पसंद : लाडवा के किसान की बेटी सोनू ने बताया कि मैंने कभी खुद को कम नहीं आंका। मुझे गर्व है कि मैं वो काम भी कर रही हूं जिस पर कभी केवल लड़कों का वर्चस्व माना जाता था। गांव लाडवा की सबिन को खेती करना पसंद है, लेकिन पढ़ाई भी जरूरी थी तो इस क्षेत्र को भी चुन लिया। गांव नलवा की सुदेश ने बताया कि उसके घर में जब भी इलेक्ट्रीशियन की जरूरत होती है तो वह स्वयं ही सारे काम कर लेती हैं।

दैनिक जागरण - 1/8/18

जीजेयू: समर ट्रेनिंग कैंप में बायोमेट्रिक एटीएम व ट्रेन टाइम्स प्रोजेक्ट सर्वश्रेष्ठ

इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के 122 छात्रों ने लिया हिस्सा

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के इन-हाउस ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का गुरुवार को समापन हुआ। छह हफ्ते तक चले प्रशिक्षण कार्यक्रम मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीईक्यूआईपी-3) द्वारा प्रायोजित किया गया। इसमें बीटेक कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी व इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के 122 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया।

विवि के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के सेमिनार हॉल एक में समापन समारोह में टीईक्यूआईपी-3 के कॉर्डिनेटर प्रो. धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए टीईक्यूआईपी द्वारा प्रायोजित किया गया। विद्यार्थियों की रुचि के अनुसार टीईक्यूआईपी द्वारा भविष्य में अनेक कोर्स व प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। डीन फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी प्रो. योगेश चाबा ने कहा कि विद्यार्थियों को ऐसे कार्यक्रमों में अधिक से अधिक भाग लेना चाहिए।

इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद के उदय किरण ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि टेक्नीकल शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को नई-नई तकनीकों पर अधिक से अधिक ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद के साथ मिलकर आयोजित किया गया।

जीजेयू में समर ट्रेनिंग में शामिल होने वाले स्टूडेंट्स व टीचर्स।

कार्यक्रम में जीजेयू के 115 व बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के आईईटी महाविद्यालय के सात विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। सनमीत सिंह, ऊषा, भव्या, दीपक ढांडा, तरुण शर्मा, प्रियंका व योगिता ने अपने अनुभवों को भी सांझा किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने ग्रुप के अनुसार 31 प्रोजेक्ट पर कार्य भी किया, इसमें बॉयोमेट्रिक एटीएम तथा ट्रेन टाइम्स प्रोजेक्ट सर्वश्रेष्ठ चुने गए। सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति देने वाले प्रतिभागी विकास व राहुल शर्मा को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राजन राव व शुभम सरदाना को बेस्ट वालंटियर अवार्ड दिया गया।

दैनिक भास्कर - 3/8/18

श्रेष्ठ कार्य करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए कोर्डिनेटर प्रो. धर्मेन्द्र कुमार, निदेशक प्रताप सिंह मलिक व अन्य।

जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल का इन-हाउस ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

हिसार (ब्यूरो)। जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सौजन्य से आयोजित इन-हाउस ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम वीरवार को संपन्न हुआ। जिसमें 122 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया।

प्रो. धर्मेन्द्र कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों की रुचि के अनुसार टीईक्यूआईपी की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। प्रो. योगेश चाबा ने कहा कि विद्यार्थियों को ऐसे कार्यक्रमों में अधिक से अधिक भाग लेना चाहिए। इंजीनियरिंग स्टॉफ कॉलेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद के उदय किरण ने प्रतिभागियों को नई तकनीकों पर अधिक ध्यान देना चाहिए। जीजेयू के 115 व बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के आईईटी महाविद्यालय के सात विद्यार्थियों ने भाग लिया। सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए विकास व राहुल शर्मा को भी सम्मानित किया गया।

अमर उजाला - 3/8/18

पहल | अब स्टूडेंट्स को अपनी अटेंडेंस पूरी करने के लिए लेनी होगी क्लास

जीजेयू में 180 दिन का शेड्यूल पूरा करने के लिए टीचर लेंगे एक्सट्रा क्लासेज

भास्कर न्यूज | हिसार

कॉलेजों में पैसे लेकर हाजिरी पूरी करने के मामले के बाद जीजेयू प्रशासन ने यूनिवर्सिटी में भी स्टूडेंट्स की हाजिरी को लेकर गंभीर हो गया है। विवि में अब स्टूडेंट्स को अपनी अटेंडेंस पूरी करने के लिए एक्सट्रा क्लासेज लगानी होंगी।

जीजेयू प्रशासन ने जीजेयू में 180 दिन के शेड्यूल को पूरा करने के लिए विवि की ओर से विभिन्न डिपार्टमेंट्स में एक्सट्रा क्लासेज लगने का फैसला किया है। इसके लिए यूनिवर्सिटी की टाइमिंग में भी बदलाव किया गया है। यूनिवर्सिटी में प्रतिदिन 8.30 से 5.30 बजे तक क्लासेज लगवाई जा रही है। गौरतलब है कि प्रदेश में व आसपास राज्यों में सबसे अधिक टीचिंग हावर्स सबसे अधिक जीजेयू में रखे गए है। कॉलेजों के बाद विवि प्रशासन की ओर से विवि स्टूडेंट्स के लिए भी 75 प्रतिशत अटेंडेंस पूरी करने के आदेश दिये गए है। यदि विवि में जो स्टूडेंट्स 75 प्रतिशत अटेंडेंस पूरी नहीं करते हैं तो उन्हें परीक्षाओं में बैठने नहीं दिया जाएगा।

ओड सेमेस्टर

टीचिंग डे : 13 जुलाई से 26 नवंबर 2018
सेमेस्टर एग्जाम : 27 नवंबर से 16 दिसंबर 2018
विंटर वेकेशन : 17 दिसंबर से 31 दिसंबर
इवन सेमेस्टर - टीचिंग डे अ 1 जनवरी से 1 मई 2019
मेजर टेस्ट : 2 मई 2019

यूनिवर्सिटी में ये रहेगा टीचिंग शेड्यूल

विवि प्रशासन ओड एंड इवन सेमेस्टर के अनुसार शेड्यूल तैयार किया है। जिसमें ओड सेमेस्टर में 13 जुलाई से टीचिंग डे शुरू होंगे। वहीं इवन सेमेस्टर में 1 जनवरी से 1 मई तक टीचिंग डे रहेंगे तथा समर वेकेशन 20 मई से 1 जुलाई रखी गई है।

समर वेकेशन -20 मई से 1 जुलाई 2019

विवि में 2018-19 के लिए तैयार किए गए शेड्यूल में जीजेयू में जुलाई से तक का शेड्यूल तैयार किया गया है। जिसमें फाइव डे इन ए वीक में सप्ताह में दो दिन अवकाश, समर व विंटर वेकेशन सहित एग्जाम शेड्यूल को साथ मिलाकर कुल 180 दिन का शेड्यूल बनाया गया है।

सम्मान | गुजवि में खेल निदेशालय की ओर से आयोजित किया गया वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाले 36 खिलाड़ियों को गुजवि ने किया सम्मानित

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के खेल निदेशालय के सौजन्य से शुक्रवार को वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में हुए समारोह में राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर मेडल हासिल करने वाले 36 खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. हरभजन बंसल ने की।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थी ऊर्जा के भंडार है। उनकी ऊर्जा को सही दिशा में लगाने की जरूरत है। यदि विद्यार्थी अपनी ऊर्जा का प्रयोग खेलों में करते हैं तो वह देश में एक अच्छे खिलाड़ी के रूप में जाने जाएंगे। यदि शिक्षा के क्षेत्र में ऊर्जा का प्रयोग करते हैं तो वह एक अच्छे शिक्षक, अच्छे डॉक्टर, अच्छे वैज्ञानिक व अच्छे समाज सेवक के रूप में जाने जाएंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रहा है। इस दौरान खेल निदेशक डा. एसबी लुथरा, उप-निदेशिका मृणालिनी नेहरा, विभिन्न विभागों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, कालेजों के खेल अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी मौजूद रहे।

गुजवि में आयोजित वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में पुरुष वर्ग में ओवरऑल चैंपियनशिप रहे दयानंद महाविद्यालय, हिसार के विद्यार्थी ट्राफी एवं संस्थान के संदस्यों के साथ कुलपति व अन्य। ● जागरण

जाट कालेज ओवरऑल रहा प्रथम स्थान पर

महिला व पुरुष वर्ग में ओवरऑल चैंपियनशिप में जाट कालेज पहले स्थान पर रहा। विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालय को 11 हजार रुपए की नकद राशि भेंट कर सम्मानित किया गया। दूसरे स्थान पर रहे दयानन्द महाविद्यालय को 8 हजार और तीसरे स्थान पर रहे राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय को 5 हजार का नकद पुरस्कार दिया गया। ओवरऑल चैंपियनशिप के महिला वर्ग में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हिसार ने पहला, जाट महाविद्यालय ने दूसरा और एफसी कालेज ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। ओवरऑल चैंपियनशिप के पुरुष वर्ग में डीएन कालेज पहले, जाट कालेज हिसार दूसरे और यूटीडी, गुजवि तीसरे स्थान पर रही। उक्त सभी महाविद्यालयों को ट्राफी भेंट कर सम्मानित किया गया।

ये खिलाड़ी हुए सम्मानित

डीएन कालेज के नवीन बुरा ने बॉक्सिंग में एशियन खेल प्रतियोगिता में तीसरा स्थान और ऑल इंडिया बॉक्सिंग प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल करने पर 18 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अन्तरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय योगा प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाली एफसी कालेज की छात्रा सुनीता रानी को 10 हजार, ऑल इंडिया रेसलिंग में दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले जाट कालेज के छात्र प्रवीण व जसबीर, राजकीय महाविद्यालय, हांसी की छात्रा रितू, ऑल इंडिया जूडो में दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले जाट कालेज के छात्र अजय और ऑल इंडिया आर्चरी में दूसरा स्थान प्राप्त करने वाली राजकीय पीजी कालेज की छात्रा रिना को 18 हजार रुपये का नकद पुरस्कार भेंट कर सम्मानित किया गया। ऑल इंडिया रेसलिंग में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले जाट महाविद्यालय के छात्र अजीत सिंह, इम्पीरियल महाविद्यालय की छात्रा प्रीति व नूतन और एसआरएम महाविद्यालय तलवंडी राणा के छात्र प्रीत सिंह, ऑल इंडिया बास्किन में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले सीआर लॉ कालेज के आशीष, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सोनू और डीएन कालेज के छात्र अखिल पूनिया, ऑल इंडिया आर्चरी में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले एसआरएम महाविद्यालय उमरा की छात्रा संगीता, ऑल इंडिया वुशू में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाली एफसी महाविद्यालय की छात्रा पूनम व सीआरएम जाट महाविद्यालय के छात्र भगत सिंह, ऑल इंडिया जूडो में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाली राजकीय पीजी कालेज की छात्रा भारती व डीएन कालेज की प्रियंका शर्मा और ऑल इंडिया सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता में जाट कालेज के छात्र प्रवीण, मनीष मान, यशपाल सिंह, सोनू, अमित सिवाच, अंकित, राधेश्याम, राहुल कुमार, निकेश, मनदीप, अजय, विक्रम, मनदीप व अमरजीत को 15 हजार रुपये रुपये का नकद पुरस्कार भेंट कर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले डीएन कालेज के छात्र रजत को 12 हजार रुपये का नकद पुरस्कार भेंट कर सम्मानित किया गया।

दैनिक जागरण - 4/8/18

एजुकेशन

इकोनॉमिक्स कोर्स, सिविल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग कोर्स शुरू, अंग्रेजी और हिंदी लैंग्वेज कोर्स भी होंगे शुरू

जीजेयू में पांच नये डिपार्टमेंट के लिए 50 पोस्टों की मंजूरी

सुभाष चंद्र | हिसार

जीजेयू को सरकार ने पांच नये डिपार्टमेंट के लिए टीचिंग व नॉन टीचिंग की 50 नई पोस्टों की सेंक्शन दी है। अब पांच नये डिपार्टमेंट बनाए जाएंगे। इनमें तीन डिपार्टमेंट इसी साल व दो अगले साल बनाए जाएंगे। यूनिवर्सिटी में इस सेशन से सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व इकनॉमिक्स कोर्स शुरू किए हैं। इन तीनों कोर्सेज के लिए अगल डिपार्टमेंट बनाए जाएंगे। वहीं अगले साल एमए अंग्रेजी व हिंदी के कोर्स शुरू होंगे। तीनों नये कोर्सेज में दाखिले के लिए काफी रुझान देखने को मिला है। खासकर जीजेयू में सिविल व इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में करीब सभी सीटें फुल हो गई है।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में कॅरिअर की संभावनाएं

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में उन्नत टेक्नोलॉजी वाले क्षेत्र जैसे सेमी कंडक्टर, नेटवर्किंग, कम्यूनिकेशन नेविगेशन सिस्टम, कंप्यूटर्स एंड डेटा एनालिसिस में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से बीटेक व एमटेक करने वाले स्टूडेंट्स अपना कॅरिअर बना सकते हैं। इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग में रिसर्च में भी काफी अवसर है। इस कोर्स में इंस्टीट्यूट्स और कंपनियां नये क्षेत्रों में रिसर्च के लिए निवेश कर रहे हैं। इन क्षेत्रों में डिस्ट्रीब्यूटेड ग्रिड कंट्रोल, स्मार्ट ग्रिड, गैर-पारंपरिक ऊर्जा के स्रोत, समुद्र से तेल और गैस निकालने का काम जैसे एनर्जी सेक्टर में काफी रिसर्च प्रोजेक्ट इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों को मिल सकते हैं।

जीजेयू में मौजूदा समय में 17 डिपार्टमेंट

विवि में मौजूदा समय में 7 फेकल्टी व 17 डिपार्टमेंट हैं, जिनमें 200 से अधिक प्रोफेसर, असिस्टेंट व एसोसिएट प्रोफेसर कार्यरत है। वहीं नॉन टीचिंग स्टाफ भी है।

लैब भी बनाई जाएगी: वीसी

सरकार से 50 नई पोस्टों की अनुमति मिली है। अब विवि में नये डिपार्टमेंट पर वर्क किया जाएगा। लैंग्वेज डिपार्टमेंट अगले साल शुरू किए जाएंगे। इससे स्टूडेंट लैंग्वेज कोर्स भी विवि से ही कर पाएंगे। नये डिपार्टमेंट के लिए नई लैब भी बनाई जाएगी" -प्रो. टंकेश्वर कुमार, वीसी, जीजेयू, हिसार।

डिपार्टमेंट में होगी 7 टीचरों की फेकल्टी

पांचों नये डिपार्टमेंट में सेंक्शन पोस्टों में 35 टीचिंग की पोस्ट हैं व 15 नॉन टीचिंग की। इनमें हर डिपार्टमेंट में 7 टीचिंग की पोस्ट शामिल हैं। इनमें एक प्रोफेसर, दो एसोसिएट प्रोफेसर शामिल रहेंगे।

अंग्रेजी व हिंदी के लैंग्वेज कोर्स शुरू होंगे

जीजेयू में अगले सेशन से अंग्रेजी व हिंदी के लैंग्वेज कोर्स शुरू किए जाएंगे। इन कोर्सेज में लॉन्ग व शॉर्ट टर्म दोनों तरह के कोर्स होंगे। लैंग्वेज कोर्सेज में विवि विदेशी भाषाओं पर भी शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू करेगा। इनमें फ्रेंच, जर्मन, चीनी आदि लैंग्वेज के कोर्स शुरू करने की योजना है।

दैनिक भास्कर - 9/8/18

गुजवि में बनेंगे डी-टाइप मकान

मकानों का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर।

हिसार, 8 अगस्त (पंकेस): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में लड़कों के होस्टल वार्डनों के लिए 6 नए 'डी' टाइप के मकान बनाए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बुधवार को इन मकानों की आधारशिला रखी। इस अवसर पर कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर भी उपस्थित रहे। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में नियुक्त किए गए होस्टल वार्डनों की मांग को देखते हुए नए मकान बनाए जा रहे हैं। होस्टल वार्डन 24 घंटे विश्वविद्यालय कैम्पस में नियुक्त रहते हैं, जिसको ध्यान में रखते हुए तथा कर्मचारियों के परिवार की सुविधाओं के लिए यह सुविधा की गई है। इन मकानों के निर्माण में 142 लाख रुपए की लागत आएगी। एक मकान 145 स्केयर मीटर क्षेत्र में बनाया जाएगा। इस अवसर पर गजुटा प्रधान प्रो. धर्मेन्द्र कुमार, विश्वविद्यालय के निर्माण विभाग के एक्शन इंजी. जितेन्द्र सिंह, इंजी. सुनील ग्रोवर, इंजी. रघुबीर सिंह, सभी होस्टल वार्डन सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित थे।

पंजाब केसरी - 9/8/18

नई योजना

जीजेयू में इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी की तर्ज पर मिलेगी सुविधा, आमजन की सुविधा के लिए करनी होगी रिसर्च

स्टूडेंट्स को नए आइडिया पर इनोवेशन के लिए मिलेगा कैश अवॉर्ड

हिसार | जीजेयू इंटरनेशनल यूनिवर्सिटीज की तर्ज पर रिसर्च के फील्ड में ऐतिहासिक कदम उठाने जा रही है। जीजेयू प्रशासन ने रिसर्च करने वाले स्टूडेंट्स को कैश अवॉर्ड योजना शुरू कर रही है। जिसमें स्टूडेंट्स को कैश अवॉर्ड जीतने का मौका मिलेगा। विवि की रिसर्च बोर्ड की मीटिंग में विवि प्रशासन ने यह फैसला लिया है। जीजेयू में विभिन्न विषयों में यदि कोई स्टूडेंट्स किसी नए आइडिया पर वर्क करके अगर कोई नई इनोवेशन करता है जिससे आमजन को उसका लाभ हो या फिर मॉडल या पोटेंबल मशीन या फिर अन्य कोई रिसर्च जिससे आम लोगों की सुविधाओं के लिए प्रयोग किया जा सके। ऐसे रिसर्चर को जीजेयू कैश अवार्ड देगी।

यह है उद्देश्य

विवि प्रशासन के अनुसार विवि में करीब सभी विभागों में रिसर्च की जाती है, काफी इनोवेशन भी किए गए हैं। लेकिन अभी तक स्टूडेंट्स को इंस्पायर करने के लिए कोई योजना नहीं थी। स्टूडेंट्स को इंस्पायर करने के लिए तथा रिसर्च के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए यह योजना तैयार की गई है।

रिसर्च करने वाले स्टूडेंट्स के लिए साल में एक बार होगी कैश अवॉर्ड सेरेमनी

जीजेयू रिसर्च करने वाले स्टूडेंट्स के लिए वर्ष में एक बार कैश अवार्ड सेरेमनी का आयोजन करेगा। जिसमें स्टूडेंट्स व टीचर्स के लिए अवार्ड राशि प्रदान की जाएगी। इसके लिए विवि की ओर से कमेटी का गठन भी किया जाएगा। जो स्टूडेंट्स व टीचर्स को उनके नए इनोवेशन के लिए चयनित करेगी।

टीचर्स को भी मौका

विवि प्रशासन की ओर से स्टूडेंट्स के साथ-साथ विभिन्न विषयों पर नए इनोवेशन करने वाले टीचर्स को भी कैश अवार्ड दिए जाएंगे। टीचर्स को अवार्ड के साथ-साथ वेतन में बढ़ोतरी भी की जाएगी। इसके लिए रिसर्च के लेवल के अनुसार इंक्रीमेंट दिया जाएगा।

कैश अवॉर्ड की राशि के लिए विवि को मिली 10 करोड़ रुपए की ग्रांट

जीजेयू को गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के साइंस एंड टेक्नॉलॉजी डिपार्टमेंट की ओर से रिसर्च एंड इनोवेशन के लिए 10 करोड़ की ग्रांट दी गई है। वहीं हाल ही में रूसा की ओर से भी विवि को रिसर्च व इनोवेशन के लिए 50 करोड़ रुपए की ग्रांट जारी की गई थी। इस ग्रांट से विवि में नई कंप्यूटर सिमुलेशन लैब बनाई जाएगी। इसमें साइंस व इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के बायोटेक्नोलॉजी, फिजिक्स, केमिस्ट्री, फार्मास्युटिकल, इनवायरमेंट साइंस, फूड टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स कम्यूनिकेशन आदि डिपार्टमेंट के स्टूडेंट्स एक साथ एक ही प्रोजेक्ट पर रिसर्च कर सकेंगे।

स्टूडेंट्स में बढ़ेगी प्रतिस्पर्धा

रिसर्च के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए यह योजना तैयार की गई है। इससे स्टूडेंट्स नए आइडियाज के लिए इंस्पायर होंगे और स्टूडेंट्स में प्रतिस्पर्धा की भावना भी बढ़ेगी। इससे यूनिवर्सिटी की भी पहचान बनेगी।
टंकेश्वर कुमार, वीसी, जीजेयू, हिसार।

दैनिक भास्कर - 10/8/18

गुजवि में डिस्टेंस से कर सकेंगे बीए-बीकॉम

एमबीए-एमसीए की अप्रूवल फिलहाल नहीं, यूजी-पीजी के 7 कोर्सों के अलावा पीजी डिप्लोमा कोर्स कर सकेंगे विद्यार्थी

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा विभाग को दो नए कोर्सों की अप्रूवल मिली है। विद्यार्थी यहां से बीए और बीकॉम कोर्स कर सकेंगे। वहीं यूजीसी ने जीजेयू सहित देश के किसी भी विश्वविद्यालय को एमबीए और एमसीए की अप्रूवल नहीं दी है।

संभवत यह अप्रूवल एआइसीटीई (ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन) द्वारा दी जाएगी। ऐसे में जीजेयू के पास यूजीसी से अप्रूव्ड कोर्सों की संख्या घटकर 7 रह गई है। डिस्टेंस मोड में पहले से चल रहे एमकॉम कोर्स को भी यूजीसी द्वार अप्रूवल नहीं दी गई है। वहीं विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा विभाग द्वारा पूर्व में चलाए जा रहे डिप्लोमा कोर्स ज्यों के त्यों चलते रहेंगे।

यूजीसी यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विभिन्न कोर्सों को प्रदेश के तीन विश्वविद्यालयों में बांट दिया है। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय को सात कोर्स, चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी सिरसा को एक कोर्स और एमडीयू को डिस्टेंस से 10 कोर्स करवाने की अप्रूवल मिली है।

जीजेयू का मुख्य द्वार।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय को नहीं अप्रूवल की जरूरत

प्रदेश के एकमात्र कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय को स्वायत्त होने के कारण किसी से अप्रूवल की जरूरत नहीं है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का नैक स्कोर 3.5 से अधिक होने के कारण उन्हें अप्रूवल की जरूरत नहीं पड़ेगी और वे डिस्टेंस के कोर्स अपने मर्जी अनुसार चला सकेंगे। वहीं गुजवि को स्वायत्तता का दर्जा दिया गया था, लेकिन विश्वविद्यालय का नैक स्कोर 3.28 है।

पीजी डिप्लोमा कोर्स

- पीजी डिप्लोमा इन कम्प्यूटर साइंस
- पीजी डिप्लोमा इन एन्वायरमेंटल मैनेजमेंट
- पीजी डिप्लोमा इन टेक्सासेशन
- पीजी डिप्लोमा इन एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशन
- पीजी डिप्लोमा इन बेकरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी
- पीजी डिप्लोमा इन काउंसलिंग एंड बिहेवियर मोडिफिकेशन
- पीजी डिप्लोमा इन इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट

अब इन कोर्स में दाखिला ले सकेंगे विद्यार्थी

- बीए
- बीबीए
- बीकॉम
- बीए मॉस कम्युनिकेशन
- एमए मॉस कम्युनिकेशन
- एमएससी कंप्यूटर साइंस
- एमएससी मैथ

किसी विवि को एमबीए-एमसीए की अनुमति नहीं

: यूजीसी की लिस्ट में देश के किसी भी विवि को डिस्टेंस से एमबीए और एमसीए करवाने की अनुमति नहीं दी गई है। हालांकि इसके पीछे स्पष्ट कारण नहीं बताए गए हैं। लेकिन प्रबल संभावना ये है कि ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन द्वारा ये अप्रूवल दी जाने के बाद ये कोर्स भी शुरू किए जा सकेंगे।

गुजवि संचालित करती थी 16 कोर्स

: विवि के दूरस्थ शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न विषयों के कुल 16 कोर्स संचालित किए जाते थे। जिनमें हर वर्ष करीब 7 हजार विद्यार्थी दाखिला लेते थे। हालांकि वर्ष 2016 में स्टडी सेंटर बंद होने के कारण विद्यार्थियों की संख्या काफी घट गई थी। वर्तमान में करीब चार हजार विद्यार्थी विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा विभाग से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

हमें दूरस्थ शिक्षा विभाग में दो नए कोर्सों बीए और बीकॉम की अप्रूवल मिली है। जबकि एमकॉम की अप्रूवल नहीं मिल पाई। दो कोर्सों एमबीए और एमसीए की अप्रूवल देश की किसी भी यूनिवर्सिटी को नहीं मिली है। इसके लिए हम एआइसीटीई के पास इसकी अप्रूवल के लिए सिफारिश करेंगे।

- प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, जीजेयू हिसार।

दैनिक जागरण - 12/8/18

मौका विवि के मोटर व्हीकल को अपग्रेड करने वाले विद्यार्थियों का आइडिया स्वीकार किया गया है

गुजवि के विद्यार्थियों को मिलेगा परचम लहराने का मौका

संवाद सहयोगी, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मोटर व्हीकल को अपग्रेड करने वाले विद्यार्थियों के आइडिया को स्वीकार किया गया है। विश्वविद्यालय की टीम को रोपड़, पंजाब में होने वाले बाहा-2019 के फाइनल राउंड के लिए चुन लिया गया है। टीम के सदस्य सोमवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर से मिले। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। विद्यार्थियों को हर सम्भव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।

विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के कॉलेजियेट क्लब, सोसाइटी ऑफ ऑटोमोटिव इंजीनियर्स, इंडिया से सम्बन्धित 19 विद्यार्थियों की टीम ने बाहा-2018 के वृचवल राउंड में भाग लिया था। सेंटर ऑफ इंडस्ट्री इंस्टीट्यूट पार्टनरशिप के निदेशक प्रो. एचसी गर्ग ने बताया कि पहला राउंड पंजाब के चित्कारा विश्वविद्यालय में हुआ था। टीम का नेतृत्व फैकल्टी एडवाइजर राजेन्द्र सिंह ने किया। राष्ट्र स्तर की इस प्रतिस्पर्धा में देशभर से 400 के करीब टीमों ने भाग लिया, जिसमें 120 टीमें इंदौर व 80 टीमें पंजाब में होने वाले फाइनल राऊंड के लिए चुनी गई है।

चयनित टीम के साथ गुजवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. एचसी गर्ग और डा. मनीष गुप्ता।

दस फीसद सीटें बढ़ाने के लिए एक लाख रखी फीस, कालेज नहीं दिखा रहे रुचि

संवाद सहयोगी, हिसार : जीजेयू की ओर से कालेजों में दस फीसदी सीटें बढ़ाने का रास्ता बंद हो गया है। दस फीसदी सीटें बढ़ाने के लिए एक लाख रुपये की फीस निर्धारित की है, जिसके चलते कालेज प्रशासन ने भी सीटें बढ़ाने संबंधी अपना निर्णय वापस ले लिया है। इसका सीधा प्रभाव स्टूडेंट्स पर पड़ रहा है। छात्र संगठन इनसो ने चेतावनी दी है कि अगर जीजेयू ने अपना फैसला नहीं बदला तो छात्र सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर हो जाएंगे। इनसो जिलाध्यक्ष आशीष कुंडू ने बताया कि स्नातकोतर कक्षाओं में सीटें पहले ही कम है। इसलिए इनसो शुरू से ही सीटें बढ़ाने की मांग करता आ रहा है। जाट कालेज की बात करें तो एमएससी या एमकॉम में 50-50 सीटें है। अगर कालेज प्रशासन इनमें दस फीसद सीटें बढ़ता

है तो पांच-पांच सीटों की बढ़ोतरी होगी, जिनकी कुल फीस लगभग 70 हजार रुपये है।

उन्होंने कहा कि इससे पहले कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में सीटें बढ़ाने के लिए कालेजों से प्रति कोर्स मात्र पांच सात हजार रुपये ही लिए जाते थे, लेकिन जीजेयू ने इसे करीब 20 गुणा बढ़ा दिया है, जिसके चलते कालेज प्रशासन सीटें बढ़ाने में कोई रूचि नहीं दिखा रहे, जिसका सीधा प्रभाव स्टूडेंट्स पर पड़ रहा है।

दैनिक जागरण - 14-8-18

गुजवि ने 6 नए डिप्लोमा कोर्स शुरू किए, 5 हजार होगी बीए की फीस

जागरण संवाददाता, हिसार : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा विभाग को दो नए कोर्सों की मान्यता दिए जाने के बाद विश्वविद्यालय ने डिस्टेंस से छह नए डिप्लोमा कोर्स भी शुरु कर दिए हैं। इनमें पीजी डिप्लोमा इन मार्केटिंग मैनेजमेंट और पीजी डिप्लोमा इन एनवायरमेंटल लॉ को भी शामिल किया गया है।

साथ ही विवि में डिप्लोमा कोर्सों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। विवि में इससे पहले 7 डिप्लोमा कोर्स चल रहे थे। वहीं विश्विद्यालय को हाल ही में यूजीसी ने जिन दो नए कोर्सों की मान्यता दी थी, उनकी भी फीस निर्धारित कर दी गई है। बीए की फीस 5 हजार रुपये सालाना और बीकॉम की छह हजार रुपये रखी गई है। मंगलवार को विवि में डिस्टेंस विभाग की हुई एडवाइजरी कमेटी की बैठक में ये फैसले लिए गए।

यूजीसी ने दो नए कोर्सों को दी थी मान्यता

: यूजीसी ने हाल ही में जीजेयू के दूरस्थ शिक्षा विभाग को दो नए कोर्सों बीए और बीकॉम की मान्यता दी है। वहीं यूजीसी ने इस बार जीजेयू सहित देश के किसी भी विश्वविद्यालय को एमबीए और एमसीए की अप्रूवल नहीं दी थी। यह अप्रूवल एआइसीटीई (ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्नीकल एजुकेशन) द्वारा दी जाएगी। डिस्टेंस मोड में पहले से चल रहे एमकॉम कोर्स को भी यूजीसी द्वारा अप्रूवल नहीं दी गई है। यूजीसी ने विभिन्न कोर्सों को प्रदेश के तीन विश्वविद्यालयों में बांट दिया है। जीजेयू को सात कोर्स, सीडीएलयू सिरसा को एक कोर्स और एमडीयू रोहतक को डिस्टेंस से 10 कोर्स करवाने की अप्रूवल मिली थी।

बीएड कालेजों को नहीं मिलेंगे सेंटर

डिस्टेंस विभाग के निदेशक डा. एमसी गर्ग ने बताया कि यूजीसी की 2017 में जारी की गई गाइडलांस में स्पष्ट है कि डिस्टेंस के कोर्स चलाने की अनुमति उन्हीं कालेजों को दी जाएगी, जहां पहले से वो कोर्स रेगुलर मोड में चल रहे हैं। अब केवल डिग्री कालेजों में सेंटर बनाए जाएंगे। जीजेयू ने यूजीसी के निर्देशानुसार स्टडी सेंटर की मान्यता को बंद कर दिया था।

डिस्टेंस में यूजी-पीजी के हैं ये कोर्स

- बीए
- बीबीए
- बीकॉम
- बीए मॉस कम्यूनिकेशन
- एमए मॉस कम्यूनिकेशन
- एमएससी कंप्यूटर साइंस
- एमएससी मैथ

डिस्टेंस में पीजी डिप्लोमा के चल रहे कोर्स

- पीजी डिप्लोमा इन कम्प्यूटर साइंस
- पीजी डिप्लोमा इन एन्वायरमेंटल मैनेजमेंट
- पीजी डिप्लोमा इन टेक्सासेशन
- पीजी डिप्लोमा इन एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशन
- पीजी डिप्लोमा इन बेकरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी
- पीजी डिप्लोमा इन काउंसलिंग एंड बिहेवियर मोडिफिकेशन
- पीजी डिप्लोमा इन इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट

डिस्टेंस में पीजी डिप्लोमा में नए शुरू किए गए कोर्स

- पीजी डिप्लोमा इन फाइनेंसियल मैनेजमेंट
- पीजी डिप्लोमा इन मार्केटिंग मैनेजमेंट
- पीजी डिप्लोमा इन एनवायरमेंटल लॉ
- पीजी डिप्लोमा इन इंटरनेशनल बिजनेस
- पीजी डिप्लोमा इन प्रोडक्शन एंड ओपरेशनल मैनेजमेंट
- पीजी डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट

हमने डिस्टेंस में छह नए डिप्लोमा कोर्स शुरू किए हैं। इसके साथ ही बीए और बीकॉम की फीस निर्धारित की गई है, जो सामान्य है। हम चाहते हैं कि गरीब से गरीब परिवार के बच्चे भी अपनी पढ़ाई को जारी रख सकें। रही बात, सेंटर की तो हम केवल उन्हीं डिग्री कालेजों को डिस्टेंस सेंटर की मान्यता देंगे, जिनके पास रेगुलर कोर्स चल रहे हैं। ऐसे में बीएड कालेजों को मान्यता नहीं दी जाएगी। हम चाहते हैं कि हर तरह से शिक्षा का स्तर सुधरे।

- प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, जीजेयू हिसार।

दैनिक जागरण - 15/8/18

जीजेयू को इंटर विवि वुमन चेस चैंपियनशिप की मेजबानी

16 विश्वविद्यालयों की टीमें लेंगी भाग, दिसंबर महीने में आयोजित होगी प्रतियोगिता

भास्कर न्यूज. हिसार।

जीजेयू को खेलों में एक ओर उपलब्धि मिली है। विवि इस बार ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप की मेजबानी कर सकेगा। यूनिवर्सिटी को न्यू दिल्ली स्थित स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी से ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी चैस वुमन चैंपियनशिप की मेजबानी मिली है। देशभर से विजेता रही यूनिवर्सिटी की टीमें जीजेयू में प्रतियोगिता के लिए पहुंचेंगी। प्रतियोगिता का आयोजन सितंबर-दिसंबर महीने में किया जाना है। प्रतियोगिता के शेड्यूल व यूनिवर्सिटी की स्पोर्ट्स काउंसिल की बैठक में फैसला किया जाएगा। जीजेयू को पिछले वर्ष फुटबाल प्रतियोगिता के आयोजन का मौका मिला था।

प्रतियोगिता में 16 विश्वविद्यालयों की टीमें होंगी शामिल

जीजेयू में आयोजित की जाने वाली ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी चैस चैंपियनशिप में चारों जोन से चार- चार टीमें प्रतियोगिता में शामिल होंगी। देश के ईस्ट, वेस्ट, नॉर्थ व साउथ जोन के जोन इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिताओं में विजेता रही टीमें प्रतियोगिता में शामिल होगी। चैस चैंपियनशिप में शामिल होने वाली टीमों में 6-6 खिलाड़ी शामिल होते है। जिनमें चार खिलाड़ी खेलते है व दो खिलाड़ियों को रिजर्व में रखा जाएगा।

जीजेयू में 29 अगस्त को आयोजित होगी खेल प्रतियोगिता -

जीजेयू में 29 अगस्त को खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिसमें कराटे व पेंचक सिलात खेलों में विभिन्न कैटेगरी में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। पेंचक सिलात गेम में 45 से 50 किलो भारवर्ग, 55 से 60 व 60 से अधिक भारवर्ग में प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई जाएगी। वहीं लड़कों की 50 से 55 किलो भार वर्ग, 55 से 60 , 60 से अधिक भारवर्ग की चार कैटेगरी में प्रतियोगिताएं आयोजित होगी। वहीं कराटे में लड़कों के लिए 60 प्लस, 67 प्लस व 75 अधिक भारवर्ग में मुकाबले आयोजित होंगे। जबकि लड़कियों में 45 से 50, 50 से 55, 55 से अधिक भारवर्ग में मुकाबले आयोजित करवाए जाएंगे।

साल की शुरूआत में किया था अप्लाई

इंटर यूनिवर्सिटी चैस वूमन चैंपियनशिप के लिए एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी को साल की शुरूआत में अप्लाई किया गया था। जिसे यूनिवर्सिटी ने स्वीकार करते हुए जीजेयू को मेजबानी का मौका दिया है। प्रतियोगिता का आयोजन 14 से 16 दिसंबर को करवाया जा सकता है।

डॉ. शशि भूषण लूथरा, डायरेक्टर, स्पोर्टस डिपार्टमेंट, जीजेयू, हिसार।

खेलों को मिलेगा बढ़ावा -

विवि को चैंपियनशिप की मेजबानी मिलने से विवि में खेलों को बढ़ावा मिलेगा। यूनिवर्सिटी में विभिन्न चैंपियनशिप के लिए कैश प्राइज की राशि बढ़ाने पर भी विचार किया जा रहा है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार, वीसी, जीजेयू, हिसार।

दैनिक भास्कर - 19/8/18

सपनों को सच करने के लिए जोखिम उठाकर ही मिल सकती है सफलता : प्रो. टंकेश्वर

जीजेयू में बीटेक फ्रेशर स्टूडेंट के लिए 21 दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का हुआ समापन

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में इंडक्शन प्रोग्राम में स्टूडेंट्स को सफलता के मंत्र बताते वीसी टंकेश्वर कुमार।

जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि जीवन में मौके बार-बार नहीं मिलते है। मिलने वाले हर मौके का फायदा उठाया जाना चाहिए। विद्यार्थी हर परीक्षा बिना रीअपीयर के पास करें।

प्रो. टंकेश्वर कुमार विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में आयोजित 21 दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम के समापन समारोह को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक डा. विशाल गुल्हाटी भी उपस्थित रहे। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नवआगन्तुक विद्यार्थियों को कहा कि जोखिम उठाने की क्षमता रखें अन्यथा सफलता नहीं मिलेगी। सफलता प्राप्त करने के लिए जोखिम से नहीं डरना चाहिए। विद्यार्थी को सपने बड़े रखने चाहिएं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि विश्वविद्यालय का मकसद विद्यार्थियों को रोजगार के लिए तैयार करना ही नहीं बल्कि जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है। फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी के अधिष्ठाता प्रो. योगेश छाबा ने कहा कि इस वर्ष दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए एक विशेष वर्ष है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) मॉडल के आधार पर इस वर्ष नई परीक्षा व्यवस्था की गई है, जिसमें विद्यार्थी बहुत अच्छे अंक लेने पर बीटेक आनर्स की डिग्री भी प्राप्त कर सकेंगे। कार्यक्रम कोर्डिनेटर विशाल गुल्हाटी ने बताया की इंडक्शन कार्यक्रम एआईसीटीई मॉडल पाठ्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय में बीटेक प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 30 सत्रों का आयोजन किया गया जो प्रतिदिन तीन घंटे तक चले। विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, प्रयोगशालाओं, कार्यशालाएं, पुस्तकालय व अन्य शाखाओं का भी भ्रमण करवाया गया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला, प्रिंटिंग टेक्नालॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अम्बरीश पांडे, इनवायरमेंट साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्षा प्रो. आशा गुप्ता, खेल निदेशक डा. एस.बी. लुथरा, फूड टेक्नालॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. अल्का शर्मा, विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष डा. विनोद कुमार तथा ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने अपने-अपने विभागों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाई। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी व नवांगतुक विद्यार्थी उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर - 22/8/18

सफल होने के लिए जोखिम उठाने से न डरें युवा और विद्यार्थी : कुलपति

जागरण संवाददाता, हिसार : जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि जीवन में मौके बार-बार नहीं मिलते। हर मौके का फायदा उठाना चाहिए। विद्यार्थी हर परीक्षा बिना री-अपीयर पास करें। प्रो. टंकेश्वर कुमार विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में आयोजित 21 दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम के समापन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक डा. विशाल गुलाटी भी उपस्थित रहे। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नवआगन्तुक विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी राष्ट्र, राज्य और परिवार के प्रति जिम्मेदार बने। जीवन में सफल होना है तो शिक्षकों व अभिभावकों का आदर करें। उन्होंने कहा कि जोखिम उठाने की क्षमता रखें, अन्यथा सफलता नहीं मिलेगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि विश्वविद्यालय का मकसद विद्यार्थियों को रोजगार के लिए तैयार करना ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है। जिसके लिए शिक्षा के साथ-साथ अतिरिक्त गतिविधियों में अवश्य भाग लें।

इंडक्शन कार्यक्रम के दौरान मंच पर मौजूद कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और अन्य।

गुजवि में इंडक्शन कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी।

औद्योगिक मांग के अनुसार बनाया सिलेबस : फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. योगेश चाबा ने कहा कि इस वर्ष दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए एक विशेष वर्ष है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) मॉडल के आधार पर इस वर्ष नई परीक्षा व्यवस्था की गई है, जिसमें विद्यार्थी बहुत अच्छे अंक लेने पर बीटेक आनर्स की डिग्री भी प्राप्त कर सकेंगे।

दैनिक जागरण - 22/8/18

विद्यार्थी को अपनी ताकत व कमजोरी की पहचान होनी चाहिए : डॉ. पुंडीर

जीजेयू में 21 दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का हुआ समापन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 21 दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का समापन हुआ। समापन समारोह में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि थे, जबकि अध्यक्षता रजिस्ट्रार डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने की।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थी राष्ट्र, राज्य और परिवार के प्रति जिम्मेदार बनें। जीवन में सफल होना है तो शिक्षकों व अभिभावकों का आदर करें। जोखिम उठाने की क्षमता रखें अन्यथा सफलता नहीं मिलेगी। सफलता प्राप्त करने के लिए जोखिम से नहीं डरना चाहिए। विद्यार्थी को सपने बड़े रखने चाहिए। उन्होंने कहा कि नौकरी पाने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बने। रजिस्ट्रार पुंडीर ने कहा कि विश्वविद्यालय का मकसद विद्यार्थियों को रोजगार के लिए तैयार करना ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है। इसके लिए शिक्षा के साथ अतिरिक्त गतिविधियों में अवश्य भाग ले। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी को अपनी ताकत व कमजोरी की पहचान होनी चाहिए। ताकत से दूसरों की कमजोरी दूर करनी चाहिए तथा अनुभवों के आधार पर अपनी कमजोरी को दूर करना चाहिए। फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी के अधिष्ठाता प्रो. योगेश चाबा ने कहा कि इस वर्ष दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए एक विशेष वर्ष है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) मॉडल के आधार पर इस वर्ष नई परीक्षा व्यवस्था की गई है।

इंडक्शन कार्यक्रम को संबोधित करते रजिस्ट्रार डॉ. अनिल कुमार पुंडीर। - अमर उजाला

अमर उजाला - 22/8/18

विश्वविद्यालय के कुलपति ने लॉंच किया नया वेबपोर्टल

अब विद्यार्थी कर सकेंगे री-अपीयर के लिए ऑनलाइन आवेदन

- आवेदन भरने के दौरान होने वाली गलतियां समाप्त हो जाएंगी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय से सम्बंद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थी अब रीअपीयर परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। गुजवि प्रशासन की ओर से नया वैबपोर्टल लांच किया है।

इस वैब पोर्टल का उद्घाटन शनिवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने परीक्षा शाखा में किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि वैबपोर्टल का विद्यार्थियों को काफी फायदा होगा। आवेदन भरने के दौरान होने वाली गलतियां समाप्त हो जाएगी।

रीअपीयर से संबंधित परीक्षा परिणाम भी आवेदन के दौरान उपलब्ध होगा। इस व्यवस्था के तहत उसी विषय का आवेदन स्वीकार किया जाएगा, जिस विषय में रीअपीयर है। विश्वविद्यालय से संबंधित महाविद्यालियों के विद्यार्थियों को इसका फायदा होगा। इससे विश्वविद्यालय की परीक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

यह वैब पोर्टल परीक्षा शाखा की आईटी सैल तथा यूसीआईसी के सहयोग से यह बनाया गया है। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला, यूसीआईसी के निदेशक मुकेश अरोड़ा, आईटी सैल इंचार्ज सरदार सुरेन्द्र सिंह, डा. सत्यवीर दलाल, हेमलता, सुनीता कटारिया आदि मौजूद थे।

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा के टापर्स का सम्मान समारोह कल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में सोमवार को आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा के टॉपर्स के सम्मान में समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के स्नातक कक्षाओं के नवआगन्तुक विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम भी होगा।

- विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की व्यवस्थाओं व सुविधाओं की जानकारियां दी जाएंगी

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार कार्यक्रम के मुख्यातिथि होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर भी उपस्थित रहेंगे। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के मुख्य हाल में होगा। इस कार्यक्रम में मई 2018 की परीक्षाओं के आंतरिक मुल्यांकन परीक्षा के टॉपर्स विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र तथा नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय में दूसरी बार हो रहा है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ही विश्वविद्यालय के आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा टॉपर्स को पुरस्कृत करने की घोषणा की थी। इंडक्शन कार्यक्रम के दौरान नवआगंतुक विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की व्यवस्थाओं व सुविधाओं से सम्बंधित जानकारियां दी जाएंगी।

हरिभूमि 26/8/18

अपील | जीजेयू में दौरे पर आई एनबीए की टीम ने इंफ्रास्ट्रक्चर की तारीफ के साथ दिखाई सुधार की राह

प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को सीनियर प्रोफेसर ही पढ़ाएं

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में बीटेक की पढ़ाई का स्तर जांचने के लिए आई राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड यानी एनबीए टीम का दौरा रविवार को संपन्न हो गया। अपनी पूरी जांच-पड़ताल के बाद टीम के सदस्यों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ बैठक की और इंफ्रास्ट्रक्चर सहित कई अन्य मामलों में तारीफ की तो वहीं कई क्षेत्रों में सुधार की भी जरूरत बताई। टीम ने इस बात पर भी बल दिया कि सीनियर प्रोफेसर प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को पढ़ाएं। ताकि उन्हें बेहतर एक्सपोजर मिल सके। नए बच्चों को सीनियर प्रोफेसर जिस तरह से कॉन्सेप्ट क्लीयर करवा सकते हैं, वैसा शायद कांट्रेक्ट या असिस्टेंट प्रोफेसर शायद न पढ़ा पाएं। इसके अलावा टीम के सदस्यों ने विश्वविद्यालय के विभागों की लैब में भी सधार की जरूरत बताई। सदस्यों ने कहा कि सिलेबस और प्रश्न पत्र में भी सुधार की जरूरत है। पूरी परीक्षा की बजाए एक-एक प्रश्न के आधार पर विद्यार्थियों का आउटकम डाटा तैयार होना चाहिए।।

एनबीए की टीम ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों का तीन दिवसीय दौरा किया था। यह टीम शुक्रवार को विश्वविद्यालय पहुंची थी। जिसने तीन विभागों में बीटेक के चार कोर्सों को मान्यता प्रदान करने के विभिन्न संसाधनों व शिक्षा में प्रदर्शन का मूल्यांकन किया। अपने दौरे के बाद टीम ने फाइनल रिपोर्ट तैयार की। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार उन्हें उम्मीद है कि उनके विभिन्न कोर्सों को एनबीए की मान्यता मिलेगी। टीम ने बीटेक कंप्यूटर साइंस, आइटी, इलेक्ट्रोनिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभागों का दौरा किया। एनबीए की ओर से 9 सदस्यीय टीम विश्वविद्यालय पहुंची थी।

एनबीए करती है तकनीकी पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन

एनबीए एक स्वायत्त संस्थान है जो समय-समय पर तकनीकी संस्थानों और पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा अनुशंसित मानक और मानदंडों के अनुरूप करती है। एनबीए द्वारा विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों को मान्यता प्रदान करना विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता को दर्शाता है। यह टीम लैब, वर्कशॉप, लाइब्रेरी और विद्यार्थियों से संबंधित सुविधाओं का जायजा लेती है। इस दौरान टीम ने विभाग के टीचर्स, विद्यार्थियों और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों से भी बातचीत कर के साथ ही संबंधित विभागों का रिकार्ड भी देखा।

> एनबीए की टीम ने कुछ लैब में सुधार करने की जरूरत बताई है। इसके साथ ही आऊटकम को लेकर कुछ सुझाव दिए हैं। प्रश्न पत्र या विभिन्न टॉपिक के आधार पर आऊटकम होना चाहिए। हम इसकी कोशिश भी कर रहे हैं।
>
> **प्रो. टंकेश्वर कुमार,** कुलपति, जीजेयू।

दैनिक जागरण - 27-8-18

आगन्तुक विद्यार्थियों के लिए कार्यक्रम में बोले प्रो. टंकेश्वर कुमार

नए आइडियाज विकसित करने का मौजूदा दौर

हरिभूमि न्यूज ⏩ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में मई 2018 की परीक्षाओं के आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा के टॉपर्स के सम्मान समारोह व स्नातक कक्षाओं के नवआगन्तुक विद्यार्थियों के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि एक विद्यार्थी को सफल नागरिक व रोजगार लायक बनाने के लिए समाज, राष्ट्र व अभिभावकों का बहुत बड़ा योगदान होता है। विद्यार्थी को भी चाहिए कि समय आने पर वो समाज, राष्ट्र व परिवार के लिए अपने दायित्व को निभाएं। शिक्षा केवल रोजगार पाने के लिए नहीं, बल्कि ज्ञान प्राप्त करने के लिए ग्रहण करें तथा उद्यमी बनकर अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करवाएं। उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर नए आइडियाज विकसित करने का दौर है। विश्वविद्यालय में दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेंटर स्थापित है।

■ विद्यार्थी अपने शिक्षकों से अधिक ज्ञान ग्रहण करने का प्रयास करें

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा के टॉपर्स को सम्मानित करते प्रो. टंकेश्वर कुमार।

इस सेंटर के माध्यम से विश्वविद्यालय मार्केटेबल आइडियाज को विकसित करने के लिए फंड उपलब्ध करवाता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी ही विश्वविद्यालय के मुख्य अंग हैं। विश्वविद्यालय की व्यवस्था और विश्वविद्यालय की व्यवस्था और आधारभूत ढांचे का उचित व अधिकतम प्रयोग करके ही वह विश्वविद्यालय की व्यवस्था को उपयोगी साबित कर सकते हैं।

इंदौर से आए डा. राजेश कुमार ने कहा कि इंजीनियर का राष्ट्र निर्माण में योगदान होता है। छात्र जिस कारणवश इंजीनियरिंग की पढ़ाई में आ गए हों, अब उन्होंने इंजीनियरिंग से गहरा प्रेम करना चाहिए। मई 2018 की आंतरिक मूल्यांकन परीक्षाओं के टापर्स को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक एवं परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला ने विश्वविद्यालय की परीक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी दी। नवआगंतुक विद्यार्थियों को छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. हरभजन बंसल ने खेल तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने सेल की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। चीफ वार्डन गर्ल्स प्रो. ऊषा अरोड़ा तथा चीफ वार्डन ब्वाएज डॉ. विकास वर्मा ने छात्रावास से संबंधित जानकारियां दी। पुस्तकालयाध्यक्ष डा. विनोद कुमार ने पुस्तकालय में उपलब्ध किताबों व जर्नल्स के बारे में बताया। प्रो. सुजाता सांघी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर, कंप्यूटर एंड इंफोर्मेटिक्स सेंटर के निदेशक मुकेश कुमार, प्रो. संदीप आर्य, डा. तरूणा, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव थे।

हरिभूमि - 28/8/18

यूथ टैलेंट हंट

जीजेयू में क्रिएटिविटी-एंटरटेनमेंट का जलवा

डांस, म्यूजिक और स्किट के जरिए दिखा हुनर

■ जीजेयू के वीसी ने हौसला अफजाई करते हुए कहा- स्टूडेंट्स का प्रयास सराहनीय है, ऐसे प्रयासों से टैलेंट को दिखाने का मिलता है मौका

सिटी रिपोर्टर • जीजेयू में टैलेंट और क्रिएटिविटी को जब खुला मंच मिला तो एक अलग ही रंग देखने को मिला। स्टूडेंट्स को किताबों की बोझ से अलग एंटरटेनमेंट का बोनस मिला। मंच सामने हर चेहरा खुशी से खिलखिलाता हुआ दिखा। जीजेयू कैंपस में मयूर मंच पर मंगलवार को आगाज कार्यक्रम ऑर्गेनाइज किया गया। इसमें स्टूडेंट्स ने बॉलीवुड और पंजाबी सॉन्ग्स पर डांस किया तो वहीं म्यूजिक के साथ अपनी आवाज का जादू बिखेरा। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार और विशिष्ठ अतिथि अशोक गोयल मंगालीवाला उपस्थित रहे। इस मौके पर वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भी कार्यक्रम में स्टूडेंट्स की हौसला अफजाई की।

स्किट भी की प्रेजेंट

स्टूडेंट्स ने मिलकर बेटी बचाओ- बेटी बचाओ थीम पर स्किट कर अवेयर भी किया, जिसमें भ्रूण हत्या जैसे सोशल इश्यूज पर सोसायटी पर कटाक्ष किया। कुछ स्टूडेंट्स ने कविताएं भी सुनाई।

विजन का क्लियर होना है जरूरी

अशोक गोयल ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी फिल्ड में पहचान बनाने के लिए विजन का क्लियर होना बहुत जरूरी है। इसके साथ ही दिनेश गोयल और एबी क्रिएशन्स से बलदेव आर कुमार और सोमेश जांगड़ा भी मौजूद रहे।

द मैजेस्टिक ग्रुप ऑफ आर्ट बैंड ने दी परफॉरमेंस

गवर्नमेंट कॉलेज के स्टूडेंट्स का बैंड ग्रुप द मैजेस्टिक ग्रुप ऑफ आर्ट ने भी अपनी परफॉर्मेंस से समां बांध दिया। ग्रुप ने शुरुआत पुराने नगमों से की, जिसमें गुलाबी आंखें जो तेरी देखी...लिखे जो खत तुझे...जैसे गाने खास रहे, वहीं बॉलीवुड के न्यू सॉन्ग्स में बोल तेरे मीठे-मीठे सुनकर स्टूडेंट झूमते दिखे।

दैनिक भास्कर 29-8-18

कोर्स

गुजवि में 4 सितंबर तक 12वीं पास कोई भी विद्यार्थी कर सकेगा रजिस्ट्रेशन

अब गुजवि में फ्रेंच भाषा सीखेंगे विद्यार्थी

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी अब फ्रेंच भाषा का कोर्स कर सकेंगे। यही नहीं विद्यार्थियों के करियर और रिज्यूम में एक और उपलब्धि जुड़ जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय में सर्टिफिकेट एंड डिप्लोमा कोर्स इन फ्रेंच लेंग्वेज शुरू हो गया है। इस कोर्स में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के अलावा 12वीं पास कोई भी विद्यार्थी दाखिला ले सकेगा। इससे विद्यार्थियों के लिए विदेश जाने के अलावा फ्रेंच भाषा जानने के कारण करियर में भी प्रगति के अवसर बढ़ेंगे। इस कोर्स के लिए कोई भी विद्यार्थी 4 सितंबर तक विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के कमरा नंबर 102 में अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकता है।

सायंकालीन सत्र में लगेगी कक्षाएं : इस कोर्स की कक्षाएं शाम के समय 4 बजे से 6 बजे तक लगेंगी। इस कोर्स को करवाने के लिए एक शिक्षक को हाल ही में अनुबंध आधार पर नियुक्त किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार अगर पर्याप्त विद्यार्थी उनके पास रजिस्ट्रेशन करवाते हैं तो ओर टीचर्स भी रखे जाएंगे। फिलहाल इस कोर्स को चलाने के लिए 60-60 विद्यार्थियों के चार सेक्सन बनाए जाने की योजना है।

मैनेजमेंट सहित बनाए जाएंगे तीन ग्रुप : विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार सर्टिफिकेट कोर्स करने वाले विद्यार्थियों के तीन ग्रुप बनाए जाएंगे। मैनेजमेंट कोर्स, इंजीनियरिंग एंड साइंस कोर्स और जनरल कोर्स। कॉमर्स व मैनेजमेंट से संबंधित विद्यार्थियों को मैनेजमेंट वाले ग्रुप में, इंजीनियरिंग को दूसरे और बीए, बीएमसी आदि कोर्स करने वाले विद्यार्थियों को जनरल कोर्स के ग्रुप में रखा जाएगा।

हमारी कोशिश है कि इस कोर्स की पढ़ाई 10 सितंबर से शुरू हो जाए। विद्यार्थी एचएसबी में हमारे पास आकर भी रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। पहले विद्यार्थियों को केवल रजिस्ट्रेशन करवाना है। फीस बाद में जमा करवानी होगी।

- डा. एससी कुंडू, डीन, फैकल्टी ऑफ ह्यूमेनिटिज एंड सोशल साइंस, जीजेयू हिसार।

विद्यार्थियों के पास इंग्लिश के अलावा दूसरी विदेशी भाषा सीखने का मौका है। इससे विद्यार्थी वहां के कल्चर सहित कई दूसरी चीजें भी सिखता है। इस तरह की अतिरिक्त योग्यता से विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

- प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, जीजेयू हिसार

दैनिक जागरण - 31/8/18